WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

Berunanpukuria, Post - Malikapur
Barasat, 24 Parganas (North)
Kolkata - 700126
West Bengal

SYLLABUS OF M.A.

SUBJECT - HINDI

COURSE CODE - 204

Semester	**Credit Points**
I	20
II	20
III	20
IV	20

Total Credit Points = 80

(Prof . C.K. Pandey) **(Prof. A. Hota)** **(Rahul Pandey)** **(Vinod Kumar)**

West Bengal State University

Berunanpukuria, Malikapur,
Barasat, 24 Parganas (North)
Kolkata - 700126
West Bengal

Semester Wise Syllabus
Subject - Hindi
Subject Code- 204

Semester - I

Course No.	Course Title
204 101.	हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका एवं आदिकाल
204 102.	आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य
204 103.	भारतीय साहित्य सिद्धांत
204 104.	कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

Semester - II

204 201.	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
204 202.	रीतिकालीन काव्य
204 203.	पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत एवं समकालीन विमर्शों का संक्षिप्त अध्ययन
204 204.	नाट्य साहित्य एवं निबन्ध

Semester - III

204 301.	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काव्य का विकासात्मक अध्ययन)
204 302.	आधुनिक काव्य : भारतेन्दु युग से छायावाद तक
204 303.	भाषा विज्ञान
204 304.	हिन्दी आलोचना

Semester - IV

204 401.	हिन्दी साहित्य का इतिहास (साहित्यिक गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन)
204 402.	आधुनिक काव्य : उत्तर छायावाद से समकालीन कविता तक
204 403.	भारतीय साहित्य
204 404.	विशेष प्रश्न–पत्र

(निम्नलिखित में से किसी एक का अध्ययन करना है)

(i) भक्तिकाल (iv) प्रेमचंद (vii) समकालीन विमर्श
(ii) छायावाद (v) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(iii) कथा साहित्य (vi) नागार्जुन

(Prof . C.K. Pandey) **(Prof. A. Hota)** **(Rahul Pandey)** **(Vinod Kumar)**

Semester - I

204 101. हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका एवं आदिकाल

इकाई – 1

– साहित्येतिहास की परिभाषा एवं हिन्दी भाषी क्षेत्र
– साहित्येतिहास दर्शन
– साहित्येतिहास सामग्री

इकाई – 2

– साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ
– साहित्येतिहास लेखन की परम्परा

इकाई – 3

– काल विभाजन और नामकरण के विविध आधार
– हिन्दी साहित्येतिहास का काल–विभाजन
– हिन्दी साहित्येतिहास के नामकरण की समस्या

इकाई – 4

– आदिकाल की पृष्ठभूमि :
 राजनीतिक पृष्ठभूमि
 सामाजिक पृष्ठभूमि
 आर्थिक पृष्ठभूमि
 धार्मिक पृष्ठभूमि
 साहित्यिक पृष्ठभूमि
– आदिकाल के नामकरण की समस्या

इकाई – 5

– सिद्ध साहित्य – पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, सहज साधना, संधा भाषा
– सिद्ध साहित्य के प्रतिनिधि कवि सरहपा

इकाई – 6

– नाथ साहित्य – पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, हठयोग की साधना
– नाथ साहित्य के प्रतिनिधि कवि गोरखनाथ

इकाई – 7

– जैन साहित्य की पृष्ठभूमि, विशेषताएँ
– जैन साहित्य के प्रकार
 पौराणिक तथा चरित काव्य
 मुक्तक काव्य
 व्याकरणिक ग्रंथ एवं साहित्य
– सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का परवर्ती हिन्दी के विकास में योगदान

इकाई – 8

– रासो साहित्य की परम्परा
– पृथ्वीराज रासो और चन्दवरदायी
– पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

इकाई – 9

– लौकिक गद्य एवं पद्य साहित्य – संक्षिप्त परिचय
– अमीर खुसरो–जीवनी एवं रचनाएँ
    पहेलियाँ, मुकरियाँ, दो सुखने
– विद्यापति–जीवनी, रचनाएँ, रचनाओं की विशेषता

<u>सहायक पुस्तकें</u>

(1) साहित्येतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
(3) हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(5) नाथ सम्प्रदाय – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(6) हिन्दी साहित्य : उद्‌भव व विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(7) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– रामकुमार वर्मा
(8) पृथ्वीराज रासो की भाषा – नामवर सिंह
(9) संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी / नामवर सिंह
(10) हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी
(11) इतिहास और आलोचना – मैनेजर पाण्डेय
(12) हिन्दी साहित्य का इतिहास – (सं.) नगेन्द्र
(13) हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामकिशोर शर्मा
(14) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
(15) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह
(16) हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
(17) साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय

204 102. <u>आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य</u>

आदिकालीन काव्य

इकाई – 1

– आदिकालीन काव्य – सामान्य परिचय
– पृथ्वीराज रासो का काव्य सौष्ठव
– पृथ्वीराज रासो का भाषिक वैशिष्ट्य
– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित पाठ
    कयमास वध (आरम्भिक 30 पद)

इकाई – 2

– पदावली साहित्य की परम्परा और विद्यापति पदावली
– भक्ति और श्रृंगार के कवि विद्यापति

– विद्यापति की भाषा
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक

विद्यापति (सं.–शिवप्रसाद सिंह)

पद संख्या – 3, 10, 11, 12, 28, 31, 33, 47, 52, 58

इकाई – 3 संत काव्य

– संत काव्य परम्परा एवं कबीर
– कबीर की समाज चेतना
– भक्त कवि कबीर
– कबीर का रहस्यवाद
– कबीर की भाषा
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक

कबीर ग्रंथावली (सं.–श्यामसुंदर दास)

आरम्भिक 25 पद

इकाई – 4 सूफी काव्य

– प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा एवं जायसी
– प्रेमाख्यानक काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
– प्रेमाख्यानक काव्य में कथानक रूढ़ियाँ
– जायसी की प्रेम व्यंजना
– पद्मावत में लोक–जीवन
– पद्मावत में प्रकृति–चित्रण
– नागमती वियोग वर्णन की विशेषताएँ
– पद्मावत का शिल्प विधान
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

नागमती वियोग खण्ड

(जायसी ग्रंथावली, सं.–रामचंद्र शुक्ल)

इकाई – 5 कृष्ण काव्य

– कृष्णभक्ति काव्य परम्परा और सूरदास
– गीतिकाव्य की परम्परा
– भ्रमरगीतसार – सगुण एवं निर्गुण का स्वरूप
– भ्रमरगीतसार में शृंगार वर्णन
– नारी स्वाभिमान एवं भ्रमरगीतसार
– भ्रमरगीतसार में गोपियों की वाग्विदग्धता
– भ्रमरगीत में लोकजीवन
– सूरदास की भक्ति भावना
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक

भ्रमरगीतसार से 20 पद (सं. – रामचंद्र शुक्ल)

पद संख्या – 21, 23, 24, 28, 34, 36, 38, 39, 42, 47, 55, 56, 57, 58, 59, 61, 62, 64, 68, 70

इकाई – 6 राम काव्य

– रामभक्ति काव्य परम्परा और तुलसीदास

– तुलसी परवर्ती रामभक्त कवि
– तुलसीदास की रचनाएँ
– तुलसीदास की काव्य दृष्टि
– रामचरितमानस में सामाजिक–पारिवारिक आदर्श
– तुलसीदास की समन्वय भावना
– उत्तरकाण्ड में निहित ज्ञान, कर्म और भक्ति
– व्याख्या निर्धारित पाठ्य पुस्तक

उत्तरकाण्ड (रामचरितमानस, गीताप्रेस, गोरखपुर)

दोहा संख्या 101 से 130 तक

सहायक पुस्तकें

(1) संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी / नामवर सिंह
(2) पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – नामवर सिंह
(3) पृथ्वीराज रासो, इतिहास और काव्य – राजमल बोरा
(4) विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह
(5) कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(6) जायसी ग्रंथावली की भूमिका – रामचंद्र शुक्ल
(7) भ्रमरगीतसार की भूमिका – रामचंद्र शुक्ल
(8) त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
(9) जायसी – विजयदेवनारायण साही
(10) तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त
(11) कबीर ग्रंथावली (सटीक) – रामकिशोर शर्मा
(12) प्राचीन कवि – विश्वम्भर मानव
(13) तुलसी काव्य में साहित्यिक अभिप्राय – जनार्दन उपाध्याय
(14) जायसी : एक नयी दृष्टि – रघुवंश
(15) कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी

204 103. भारतीय साहित्य सिद्धांत

इकाई – 1

– काव्य की विविध परिभाषाएँ एवं लक्षण

इकाई – 2

– काव्य आत्मा
– काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
– काव्य गुण, काव्य दोष

इकाई – 3

– भारतीय साहित्य सिद्धांत परम्परा का आरम्भ
– रस सिद्धांत
– रस निष्पत्ति
– रस निष्पत्ति की विविध व्याख्याएँ
– रस का स्वरूप एवं साधारणीकरण

इकाई – 4

अलंकार सिद्धांत
रीति व गुण सिद्धांत
ध्वनि सिद्धांत
वक्रोक्ति सिद्धांत
औचित्य सिद्धांत

इकाई – 5

– शब्द शक्तियाँ – अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना
परिभाषाएँ एवं भेदोपभेद

इकाई – 6

– छंदशास्त्र/पिङ्गलशास्त्र की अवधारणा
– हिन्दी छन्दशास्त्र का विकास
– छंदों के विविध आधार – लय, तुक, ताल

इकाई – 7

– नाट्य सिद्धांत – लक्षण एवं अंग
– नाट्य रचना के तत्त्व – वस्तु, नेता, रस, अभिनय

<u>सहायक पुस्तकें</u>

(1) संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय
(2) संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, भाग 1–2 (अनु0) – सुशील कुमार डे
(3) रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
(4) रस सिद्धांत – नगेन्द्र
(5) नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(6) काव्य निर्णय – भिखारीदास
(7) कविशिक्षा की परम्परा और हिन्दी रीति साहित्य – सत्यप्रकाश मिश्र
(8) भारतीय काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
(9) भारतीय काव्यशास्त्र – योगेन्द्र प्रताप सिंह
(10) भारतीय काव्यशास्त्र – निशा अग्रवाल
(11) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा – रामचन्द्र तिवारी
(12) आचार्य शुक्ल : प्रस्थान और परम्परा – राममूर्ति त्रिपाठी
(13) आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी

204 104. <u>कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)</u>

इकाई – 1

– हिन्दी उपन्यास : स्वरूप एवं विकास
प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास
प्रेमचंदयुगीन हिन्दी उपन्यास
प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास

– साठोत्तरी उपन्यास एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई – 2

– हिन्दी कहानी : स्वरूप एवं विकास
प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी
प्रेमचंदयुगीन हिन्दी कहानी
प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी
– समकालीन कहानी : संवेदना और शिल्प

इकाई – 3

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित उपन्यास
गोदान (प्रेमचंद)
– गोदान और भारतीय किसान
– गोदान : कृषक जीवन की त्रासदी
– गोदान में गाँव एवं शहर
– गोदान में मुख्य चरित्र
– गोदान की नारी पात्र
– गोदान में यथार्थ और आदर्श
– गोदान का शिल्प

इकाई – 4

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित उपन्यास
मैला आँचल (फणीश्वरनाथ रेणु)
– आंचलिक उपन्यास की अवधारणा और मैला आँचल
– मैला आँचल में लोक–संस्कृति
– मैला आँचल में चरित्र विधान
– मैला आँचल का वस्तु–विन्यास और शिल्प
– मैला आँचल की भाषा

इकाई – 5

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित उपन्यास
बाणभट्ट की आत्मकथा (हजारीप्रसाद द्विवेदी)
– आत्मकथा की अवधारणा
– बाणभट्ट की आत्मकथा में इतिहास और कल्पना
– बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता
– बाणभट्ट की आत्मकथा में जीवन दृष्टि
– बाणभट्ट की आत्मकथा में नारी मुक्ति की अवधारणा
– बाणभट्ट की आत्मकथा की औपन्यासिक शैली
– बाणभट्ट की आत्मकथा का भाषा–सौष्ठव

इकाई – 6

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित कहानियाँ
उसने कहा था – गुलेरी
आहुति – प्रेमचंद
मधुआ – जयशंकर प्रसाद

परदा	–	यशपाल
अमृतसर आ गया है	–	भीष्म साहनी
तीसरी कसम	–	फणीश्वरनाथ रेणु
दोपहर का भोजन	–	अमरकान्त
भोलाराम का जीव	–	हरिशंकर परसाई
तिरिछ	–	उदय प्रकाश
यही सच है	–	मन्नू भण्डारी

<u>सहायक पुस्तकें</u>

(1) कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह
(2) कहानी : शिल्प और संवेदना – राजेन्द्र यादव
(3) उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा – परमानंद श्रीवास्तव
(4) गोदान (मूल्यांकन और मूल्यांकन माला) – (सं.) इन्द्रनाथ मदान
(5) गोदान – (सं.) सत्यप्रकाश मिश्र
(6) प्रेमचंद – (सं.) विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
(7) प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
(8) आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इन्द्रनाथ मदान
(9) प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान
(10) प्रेमचंद के आयाम – ए0 अरविंदाक्षन
(11) उपन्यास की संरचना – गोपाल राय

SEMESTER - II

204 201. हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

इकाई – 1

– भक्ति का उदय – राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक पृष्ठभूमि
– भक्तिकाल की दार्शनिक पृष्ठभूमि
  वेद से बुद्ध तक
  आलवार व नायनार
  शंकराचार्य
  वैष्णव आचार्य
  निर्गुण व सूफी साहित्य

इकाई – 2

– भक्ति आंदोलन : उद्‌भव व विकास
– भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
– भक्ति काव्य : लोकजागरण का काव्य
– भक्तिकालीन प्रमुख दार्शनिक सम्प्रदाय
  विशिष्टाद्वैतवाद
  द्वैतवाद
  द्वैताद्वैतवाद
  रुद्र सम्प्रदाय

इकाई – 3 निर्गुण संत साहित्य

– निर्गुण : अर्थ और स्वरूप
– निर्गुण और सगुण भक्ति : साम्य एवं वैषम्य
– भक्ति आंदोलन एवं निर्गुण संत
– पूर्ववर्ती नाथ – सिद्ध सम्प्रदाय का संतों पर प्रभाव
– संत कवियों की निर्गुण भक्ति
– कबीर के निर्गुण भक्ति का स्वरूप
– संत साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – 4 निर्गुण सूफी साहित्य

– सूफी शब्द का अर्थ
– विविध सूफी सम्प्रदाय
  चिश्तिया सम्प्रदाय
  सुहरावर्दी सम्प्रदाय
  नक्शबंदी सम्प्रदाय
  कादरी सम्प्रदाय

– प्रेमाख्यानक साहित्य का स्वरूप
– भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य और उसकी परम्परा
– प्रेमाख्यानक काव्य में कथानक रूढ़ियाँ

– प्रेमाख्यानक काव्य में प्रेम–पद्धति
– सूफी काव्य में लोकतत्व
– प्रेमाख्यानक काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
– निर्गुण भक्ति और सूफी साधना पद्धति का अन्तर्संबंध

इकाई – 5 सगुण कृष्णभक्ति साहित्य

– कृष्णभक्ति का विकास एवं इसमें वैष्णवाचार्यों की भूमिका
– अष्टछाप एवं उसके प्रमुख कवि
– कृष्णभक्ति में भ्रमरगीत प्रसंग
– कृष्णभक्ति में वात्सल्य एवं श्रृंगार
– सम्प्रदाय मुक्त कृष्णभक्त कवि – मीरा और रसखान
– कृष्णभक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – 6 सगुण रामभक्ति साहित्य

– रामभक्ति – स्रोत और परम्परा
– रामभक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि और काव्य
– तुलसीदास और रामचरितमानस
– रामकाव्य में लोक जीवन
– रामकाव्य में समन्वय साधना
– तुलसी परवर्ती रामकाव्य परम्परा
– रामकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – 7 रीतिकाल

– रीतिकाल का नामकरण और सीमा निर्धारण
– रीतिकालीन कविता की ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक व साहित्यिक पृष्ठभूमि
– उत्तर भक्तिकाल और रीतिकाल का अन्तर्संबंध
– रीतिकालीन कविता की विविध धाराएँ
    रीतिबद्ध प्रमुख कवि और काव्य
    रीतिसिद्ध प्रमुख कवि और काव्य
    रीतिमुक्त प्रमुख कवि और काव्य

– रीतिकालीन श्रृंगारेतर काव्य
    वीरकाव्य
    भक्तिकाव्य
    नीतिकाव्य
    वैराग्य तत्त्वज्ञानपरक काव्य
– रीतिकालीन साहित्य का समग्र मूल्यांकन

<u>सहायक पुस्तकें</u>

हिन्दी साहित्य के विभिन्न इतिहास ग्रंथ_

204 202. <u>रीतिकालीन काव्य</u>

इकाई – 1

– रीतिकाल की समय सीमा और नामकरण की समस्या
– रीतिकालीन कविता की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
– रीति परम्परा : प्रवर्त्तन और विकास
– रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
– रीतिकालीन प्रमुख धाराएँ एवं कवि

इकाई – 2 केशवदास

– केशवदास – आचार्यत्व
– 'कठिन काव्य के प्रेत'
– काव्यदृष्टि
– काव्य सौष्ठव
– संवाद योजना

– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक
रावण अंगद संवाद (संक्षिप्त रामचंद्रिका, केशवदास)
(पद संख्या 16 से 45)

इकाई – 3 भूषण

– भूषण – युगबोध
– काव्य की अन्तर्वस्तु
– भूषण की जातीय चेतना
– काव्यकला

– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक
शिवाबावनी (भूषण)
पद संख्या – 1, 4, 11, 13, 16, 24, 25, 26, 29, 34, 36, 49, 50, 51, 52

इकाई – 4 बिहारी

– बिहारी – भक्ति, नीति एवं श्रृंगार के कवि
– बहुज्ञता
– कल्पना की समाहार शक्ति एवं भाषा की समास शक्ति
– बिहारी सतसई में समाज
– काव्यकला

– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक
बिहारी सतसई (सं. – जगन्नाथ दास रत्नाकर)
आरम्भिक 50 दोहे

इकाई – 5 घनानन्द

– घनानन्द – 'प्रेम की पीर' के कवि
– स्वच्छंद कवि घनानंद
– घनानंद की प्रेम सम्बन्धी अवधारणा
– काव्य में लाक्षणिकता एवं व्यंजनात्मकता
–घनानन्द की काव्य कला

– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक

घनानन्द कवित्त (सं.–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

पद संख्या – 1, 2, 5, 7, 8, 10, 11, 13, 15, 18, 20, 21, 23, 25, 32

<u>सहायक पुस्तकें</u>

(1) हिन्दी साहित्य के विभिन्न इतिहास ग्रंथ	
(2) केशव की काव्यकला	– कृष्णशंकर शुक्ल
(3) बिहारी की वाग्विभूति	– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(4) बिहारी विभूति	– राजकुमारी मिश्र
(5) स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द	– मनोहर लाल गौड़
(6) रीतिकाव्य की भूमिका	– नगेन्द्र
(7) रीतिकाव्य	– जगदीश गुप्त
(8) बिहारी का नया मूल्यांकन	– बच्चन सिंह
(9) रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना	– बच्चन सिंह

204 203. <u>पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत एवं समकालीन विमर्शों का संक्षिप्त अध्ययन</u>

इकाई – 1 यूनानी एवं रोमीय काव्यशास्त्र

– यूनानी काव्यशास्त्र में प्लेटो एवं अरस्तू का योगदान
– प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत
– अरस्तू – अनुकरण सिद्धांत
  – विरेचन सिद्धांत
  – ट्रैजेडी सिद्धांत
– लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत

मध्ययुगीन काव्यशास्त्र

इकाई – 2

– पुनर्जागरण एवं नवशास्त्रवादी युग में शाश्वत एवं परिवर्तनीय प्रतिमानों की माँग

इकाई – 3

– स्वच्छंदतावादी युग
– वर्ड्सवर्थ का साहित्य सिद्धांत
– कॉलरिज का साहित्य सिद्धांत (कल्पना व फैन्सी)

इकाई – 4

– क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
– वक्रोक्तिवाद एवं अभिव्यंजनावाद

आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत

इकाई – 5

– आई. ए. रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धांत
  – सम्प्रेषण सिद्धांत
– टी. एस. इलियट – – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

– वस्तुनिष्ठ सहसम्बन्धी सिद्धांत
– परम्परा और इतिहास बोध का सिद्धांत

इकाई – 6

– नयी समीक्षा – विशेषताएँ
– नयी समीक्षा में टी. एस. इलियट, रैमसन तथा रिचर्ड्स का योगदान

इकाई – 7 विभिन्न साहित्यिक वादों का संक्षिप्त अध्ययन

आदर्शवाद
यथार्थवाद
प्रतीकवाद
बिम्बवाद
नवशास्त्रवाद
स्वच्छंदतावाद
कला, कला के लिए व कला जीवन के लिए

इकाई – 8 समकालीन विमर्शों का संक्षिप्त अध्ययन

आधुनिकता
उत्तर आधुनिकता
संरचनावाद
उत्तर संरचनावाद
विखण्डनवाद

सहायक पुस्तकें

(1) पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत (अनु.) – लीलाधर गुप्त
(2) साहित्य सिद्धांत (अनु.) – रेनेवेलेक
(3) पोयटिक्स – सं. नगेन्द्र
(4) टी. एस. इलियट के आलोचना सिद्धांत – शिवमूर्ति पाण्डेय
(5) समीक्षा के नये प्रतिमान – निर्मला जैन
(6) हिन्दी साहित्य कोश (भाग–1) – धीरेन्द्र वर्मा
(7) पाश्चात्य काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली
(8) पाश्चात्य साहित्यालोचन की अर्वाचीन प्रवृत्तियाँ – सतीश चंद्र देव
(9) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा – (सं.) सावित्री सिन्हा
(10) पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
(11) पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
(12) उत्तर आधुनिक साहित्य विमर्श – सुधीश पचौरी
(13) उत्तर औपनिवेशिकता के स्रोत और हिन्दी साहित्य – प्रणय कृष्ण
(14) आधुनिकता और उपनिवेश – कृष्णमोहन
(15) हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
(16) डीकंस्ट्रक्शन बनाम विसंरचनावाद : देरिदा एवं अन्य चिंतक – पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'

204. नाट्य साहित्य एवं निबन्ध

इकाई – 1

– भारतीय नाटक की विशेषताएँ
– आधुनिक हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव
– हिन्दी नाटक का उद्भव व विकास

इकाई – 2

– हिन्दी एकांकी का उद्भव व विकास
– हिन्दी रंगमंच का इतिहास

इकाई – 3

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित नाटक

अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चंद्र)

– भारतेन्दु की नाट्य दृष्टि और अंधेर नगरी
– अंधेर नगरी का यथार्थ बोध
– अंधेर नगरी में व्यंग्य
– अंधेर नगरी का नाट्य शिल्प
– अंधेर नगरी की भाषा

इकाई – 4

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित नाटक

चंद्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)

– जयशंकर प्रसाद की नाट्य–दृष्टि
– चंद्रगुप्त में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना
– चंद्रगुप्त में इतिहास दृष्टि
– चंद्रगुप्त में चरित्र विधान
– चंद्रगुप्त में प्रतीक
– चंद्रगुप्त का नाट्य–शिल्प

इकाई – 5

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित नाटक

आधे–अधूरे (मोहन राकेश)

– मोहन राकेश की नाट्य–दृष्टि
– सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में आधे–अधूरे
– आधे–अधूरे में आधुनिकता बोध
– आधे–अधूरे में अजनबीपन
– आधे–अधूरे की प्रयोगधर्मिता
– आधे–अधूरे की नाट्य भाषा

इकाई – 6 एकांकी

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित एकांकी

i. **बीमार का इलाज –** उदयशंकर भट्ट
ii. **एक दिन –** लक्ष्मीनारायण मिश्र
iii. **रीढ़ की हड्डी –** जगदीशचन्द्र माथुर

(पुस्तक – प्रतिनिधि एकांकी, सं. दशरथ ओझा, मलिक एण्ड कंपनी, चौड़ा रास्ता,

जयपुर)

इकाई–7 : **निबंध**

– हिन्दी निबंध : उद्‌भव एवं विकास

– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित निबंध

बालमुकुंद गुप्त	–	**एक दुराशा**
रामचंद्र शुक्ल	–	**कविता क्या है?**
हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	**नाखून क्यों बढ़ते हैं?**
विद्यानिवास मिश्र	–	**मेरे राम का मुकुट भीग रहा है**

सहायक पुस्तकें

(1) हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह
(2) प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविन्द चातक
(3) मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
(4) हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास – दशरथ ओझा
(5) साठोत्तर हिन्दी नाटक – के0वी0 नारायण कुरूप
(6) हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
(7) आधुनिक हिन्दी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश – गोविन्द चातक
(8) जयशंकर प्रसाद और चन्द्रगुप्त – गिरीश रस्तोगी
(9) नाटककार जयशंकर प्रसाद – सत्येन्द्र कुमार तनेजा
(10) हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह
(11) भारतेन्दु और अंधेर नगरी – गिरीश रस्तोगी
(12) हिन्दी निबन्ध – विजयशंकर मल्ल
(13) हिन्दी निबन्ध – प्रभाकर माचवे
(14) हिन्दी निबन्ध का विकास – ओमकारनाथ शर्मा

SEMESTER - III

204301 : हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काव्य का विकासात्मक अध्ययन)

इकाई–1

–आधुनिकता की अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि

– मध्ययुगीनता एवं आधुनिकता का अंतर

– आधुनिक काल के उदय के कारण

इकाई–2

– अखिल भारतीय नवजागरण
– हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु एवं भारतेन्दु मण्डल
– भारतेंदु युगीन कविता का स्वरूप, विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

इकाई–3

– काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा
– काव्यभाषा के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान
– हरिऔध और मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं का मूल्यांकन

इकाई–4

– स्वच्छंदतावादी काव्य और श्रीधर पाठक
– छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि
– छायावाद का स्वरूप
– छायावाद की सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि
– छायावाद में स्वाधीनता की चेतना
– छायावादी काव्य में जीवन–दर्शन
– प्रसाद, पंत, निराला और महादेवी की कविताओं की मूलभूत विशेषताएँ

इकाई–5

– प्रगतिवादी काव्य के उदय के कारण
– प्रगतिवादी काव्य की सामाजिक दृष्टि
– प्रगतिवादी काव्य में यथार्थ चेतना, प्रकृति चित्रण, सौंदर्यबोध
– केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, त्रिलोचन की कविताओं का मूल्यांकन

इकाई–6

– प्रयोगवादी काव्य की पृष्ठभूमि एवं विशेषताएँ
– सप्तक परंपरा के कवि एवं काव्य
– प्रयोगवाद एवं नई कविता का अन्तर्सम्बन्ध
– प्रयोगवाद में व्यष्टि एवं समष्टि चेतना

– अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता, सौंदर्यबोध, काव्य शिल्प
– मुक्तिबोध का समाजबोध और फैंटेसी

इकाई–7

– समकालीन एवं समकालीनता में अंतर
– समकालीन कविता की विभिन्न धाराएँ एवं प्रतिनिधि कवि
– समकालीन कविता में काल संसक्ति एवं लोक संसक्ति
– समकालीन हिन्दी कविता की विशेषताएँ
– अन्तिम दो दशकों की हिन्दी कविता

सहायक पुस्तकें :

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी काव्य–संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. भारतेन्दु–युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा – रामविलास शर्मा
5. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा
6. पल्लव की भूमिका – सुमित्रानंदन पंत
7. आधुनिककाल की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
8. छायावाद – नामवर सिंह
9. छायावाद का पतन – देवराज
10. छायावाद और प्रगतिवाद – नलिनविलोचन शर्मा
11. रस्साकसी – वीरभारत तलवार

204 302 आधुनिक काव्य
<u>(भारतेंदु युग से छायावाद तक)</u>

इकाई–1

– अखिल भारतीय नवजागरण और भारतेन्दु युग
– भारतेंदु युगीन कविता में राष्ट्र प्रेम की भावना
– भारतेन्दु युगीन कविता में सामाजिक दुर्दशा का निरूपण
– भारतेन्दु युगीन कविता में जातीय चेतना
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

भारतेन्दु ग्रंथावली से पाँच मुकरियाँ (1, 5, 8, 12, 14)

इकाई–2

– द्विवेदीयुगीन कविता और नवजागरण
– आदर्शवाद एवं नैतिकता के संदर्भ में द्विवेदी युगीन कविता का मूल्यांकन
– मैथिलीशरण गुप्त की काव्य–संपदा
– मैथिलीशरण गुप्त की नारी चेतना
– 'साकेत' का विरह–वर्णन
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

'साकेत' का नवम् सर्ग

इकाई–3

– स्वच्छंदतावाद और छायावाद

– छायावादी कवियों का सौंदर्य बोध
– छायावाद : शक्ति काव्य के रूप में
– छायावादी काव्य में दर्शन
– छायावादी काव्य में प्रगीति तत्त्व

इकाई–4

– जयशंकर प्रसाद का जीवन दर्शन
– कामायनी में रूपक तत्त्व
– कामायनी की विश्वदृष्टि
– कामायनी का आधुनिक संदर्भ
– कामायनी का प्रबंध विन्यास
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

कामायनी–श्रद्धा सर्ग एवं इड़ा सर्ग

इकाई–5

– निराला की प्रगति चेतना
– निराला काव्य में विविध प्रयोग
– मुक्तछंद की अवधारणा एवं निराला
– निराला की कविताओं में समाज
– विद्रोह एवं क्रांति के कवि निराला
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

राम की शक्तिपूजा
कुकुरमुत्ता
जल्दी जल्दी पैर बढ़ाओ
राजे ने रखवाली की

इकाई–6

– छायावादी काव्य में प्रकृति
– कल्पना का अभिषेक एवं छायावाद
– पंत की काव्य–यात्रा
– पंत की काव्यभाषा
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

नौका विहार
भारतमाता
ताज

इकाई–7

– महादेवी के काव्य में वेदना भाव
– महादेवी के काव्य में रहस्यवाद
– गीति तत्त्व एवं महादेवी
– व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

मैं नीरभरी दुख की बदली
हे चिर महान
जाग तुझको दूर जाना

सहायक पुस्तकें :

1. साकेत : विचार और विश्लेषण — वचनदेव कुमार
2. साकेत के नवम् सर्ग का काव्य वैभव — कन्हैयालाल सहल
3. कामायनी की रचना प्रक्रिया — गिरीश राय
4. कामायनी : एक पुनर्विचार — गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
5. कामायनी का पुनर्पाठ — सं. परमानन्द श्रीवास्तव
6. निरालाः कवि—छवि — नंदकिशोर नवल
7. प्रसाद का काव्य — प्रेमशंकर
8. छायावाद — नामवर सिंह
9. चार लम्बी कविताएँ — नन्दकिशोर नवल
10. अलक्षित अर्थ गौरव — पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'
11. महादेवी वर्मा — परमानंद श्रीवास्तव
12. महादेवी वर्मा : नया मूल्यांकन — गणपतिचंद्र गुप्त
13. आधुनिक साहित्य — नंददुलारे वाजपेयी
14. निराला से रघुवीर सहाय तक — कृष्णनारायण कक्कड़
15. निराला : आत्महन्ता आस्था — दूधनाथ सिंह
16. निराला और उनका युग — रामविलास शर्मा
17. महादेवी वर्मा — इन्द्रनाथ मदान
18. पंत — नगेन्द्र
19. पंत जीवन और साहित्य — शान्ति जोशी
20. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन — रामस्वरूप चतुर्वेदी
21. प्रसाद, निराला, अज्ञेय — रामस्वरूप चतुर्वेदी

204 303 <u>भाषा विज्ञान</u>

इकाई—1

भाषा विज्ञान का इतिहास

- भारतीय भाषा विज्ञान
- एशियाई भाषा चिंतन
- पाश्चात्य परम्परा

इकाई—2

स्वन—प्रक्रिया

- स्वनिम विश्लेषण
- अक्षर, सुर स्वनिम, अनुतान
- संहिता स्वनिम
- स्वन गुणिमिक, स्वन प्रक्रिया
- रूप स्वानिमिकी परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ

इकाई–3

रूप एवं पद विज्ञान

– रूपिम
– रूपिमों का निर्धारण
– रूपिम या रूपांश के भेद
– रूप–परिवर्तन की दिशाएँ, रूप परिवर्तन के कारण, शब्दों के प्रकार
– रूपिम के प्रकार्य– पुरुष, लिंग, वचन, विभक्ति, काल तथा भाव
– हिन्दी की शब्द सम्पदा

इकाई–4

वाक्य विज्ञान एवं प्रोक्ति विज्ञान

– पदबंध, वाक्य रचना के आधार
– वाक्य के अंग
– चाम्स्की की दृष्टि
– वाक्य के भेद

इकाई–5

अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान

– स्वरूप
– विविध संदर्भ
– भाषा शिक्षण
– समाज भाषा विज्ञान
– मनोभाषा विज्ञान
– अनुवाद विज्ञान
– भाषा प्रयोग और भाषा प्रयोजन

इकाई–6

शैली विज्ञान

– स्वरूप
– भाषाई क्षमता
– भाषाई संसाधनों का अध्ययन
– भाषा का अभिव्यंजना पक्ष
– सर्जनात्मक और कलात्मक प्रयोगों का अध्ययन

सहायक पुस्तकें :

1. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान – राजमल बोरा
5. भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और लिपि – रामकिशोर शर्मा
6. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
8. हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाशचन्द्र भाटिया

9. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका — मोतीलाल गुप्त
10. सामान्य भाषा विज्ञान — बाबूराम सक्सेना

204 304 : <u>हिन्दी आलोचना</u>

इकाई–1

- हिन्दी गद्य का उद्‌भव एवं विकास
- राजस्थानी गद्य, मैथिली गद्य, ब्रजभाषा गद्य, दक्खिनी हिन्दी गद्य
- फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी
- भारतेन्दु युगीन, द्विवेदी युगीन, छायावादी, प्रगबितवादी, प्रयोगवादी एवं समकालीन हिन्दी गद्य का परिचय एवं विशेषताएँ

इकाई–2

- हिन्दी आलोचना : उद्‌भव व विकास
- सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक आलोचना
- हिन्दी समीक्षा के विविध रूप
- सौष्ठववादी समीक्षा, प्रभाववादी समीक्षा, मनोवैज्ञानिक समीक्षा, सांस्कृतिक समीक्षा, मार्क्सवादी समीक्षा

इकाई–3

- भारतेन्दु युगीन हिन्दी आलोचना
- पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित आलोचना
- भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' की आलोचनाएँ

इकाई–4

- महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं हिन्दी आलोचना
- द्विवेदी युगीन हिन्दी आलोचना
- व्याख्यात्मक आलोचना, तुलनात्मक, अन्वेषण एवं अनुसंधानपरक आलोचना, विचारपरक आलोचना

इकाई–5

- आचार्य शुक्ल के आलोचनात्मक मानक एवं व्यावहारिक आलोचना

इकाई–6

- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की सांस्कृतिक आलोचना

इकाई–7

- सौष्ठववादी आलोचक आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

इकाई–8

- रसवादी समीक्षक डॉ. नगेन्द्र

इकाई–9

– प्रमुख मार्क्सवादी समीक्षक – डॉ. रामविलास शर्मा तथा डॉ. नामवर सिंह

इकाई–10

– नयी समीक्षा की प्रमुख विशेषताएँ

– पाश्चात्य एवं हिन्दी के नये समीक्षक एवं समीक्षाएँ

सहायक पुस्तकें :

1. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह
2. समालोचना–समुच्चय – महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक हिन्दी की बीसवीं शताब्दी – निर्मला जैन
5. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश
7. हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल
8. हिन्दी आलोचना के आधार स्तंभ – सं. खंडेलवाल गुप्त
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना – रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. हिन्दी निबन्ध – विजयशंकर मल्ल
11. हिन्दी निबन्ध – प्रभाकर माचवे
12. हिन्दी निबन्धका विकास – ओमकारनाथ शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास (खण्ड–13,14)
14. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – शिवकुमार मिश्र

<u>SEMESTER - IV</u>

204 401. हिन्दी साहित्य का इतिहास
<u>(साहित्यिक गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन)</u>

इकाई – 1

हिन्दी गद्य का स्वरूप का विकास

– आदिकालीन हिन्दी गद्य
– राजस्थानी गद्य, मैथिली गद्य, ब्रजभाषा गद्य
– फोर्ट विलियम कॉलेज
– खड़ी बोली गद्य का विकास
– भारतेन्दु युगीन हिन्दी गद्य
– प्रौढ़ता एवं परिमार्जन का युग (द्विवेदी युग)
– छायावादी गद्य
– प्रगतिवादी, प्रयोगवादी, नयी कविता का गद्य
– गद्य का उत्तर आधुनिक रूप

इकाई – 2

हिन्दी उपन्यास

– प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास
सामाजिक उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास, तिलिस्मी–ऐयारी उपन्यास, जासूसी उपन्यास
– प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास
– प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास
सामाजिक उपन्यास, मनोविश्लेषणवादी उपन्यास, साम्यवादी (प्रगतिवादी) उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास, आंचलिक उपन्यास, प्रयोगवादी उपन्सास
– महिला उपन्यासकारों के उपन्यास
– पिछले दो दशकों के उपन्यास एवं उपन्यासकार

इकाई – 3

हिन्दी कहानी

– प्रारंभिक हिन्दी कहानियाँ
– प्रेमचंद युग (विशेष अध्ययन–प्रेमचंद और प्रसाद)
– प्रेमचंदोत्तर कहानी
जटिल जीवन यथार्थ की व्यापक स्वीकृति
विविध कहानी आंदोलन
– समकालीन कहानी
– महिला कहानीकारों की कहानियाँ
–पिछले दो दशकों की कहानियाँ एवं कहानीकार

इकाई – 4

हिन्दी नाटक एवं एकांकी

नाटक – भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग
एकांकी – हिन्दी एकांकी एवं एकांकी लेखक
जयशंकर प्रसाद, रामकुमार वर्मा, उपेन्द्रनाथ अशक,
जगदीश चंद्र माथुर,, लक्ष्मीनारायण मिश्र, सेठ गोविन्ददास,
भुवनेश्वर प्रसाद मिश्र, विष्णु प्रभाकर
– आधुनिक चेतना से सम्पृक्त एकांकीकार

इकाई – 5

हिन्दी आलोचना

– आलोचना का प्रारंभिक रूप
शास्त्रीय आलोचना
पुस्तक समीक्षा
– द्विवेदी युगीन आलोचना
व्याख्यात्मक आलोचना
तुलनात्मक आलोचना
अन्वेषण एवं अनुसंधानपरक आलोचना
विविध
– रसवादी आलोचना
– स्वच्छंदतावादी आलोचना
– सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक आलोचना
– मनोविश्लेषणवादी आलोचना
– मार्क्सवादी आलोचना

इकाई – 6

हिन्दी निबन्ध

– भारतेन्दु युगीन निबंध
– द्विवेदी युगीन निबंध
– शुक्ल युगीन निबंध
– शुक्लोत्तर युगीन निबंध

इकाई – 7

अन्य गद्य विधाएँ

– संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी
– रिपोर्ताज, यात्रावृत्तांत, शिकार साहित्य
– हिन्दी की पत्र–पत्रिकाओं का विकासात्मक अध्ययन

सहायक पुस्तकें –

1.	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	– बच्चन सिंह
2.	आधुनिकाता और हिन्दी साहित्य	– इन्द्रनाथ मदान
3.	आधुनिक हिन्दी उपन्यास	– सं. भीष्म साहनी, रामजी मिश्र
4.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	– सं. नगेन्द्र
5.	उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा	– परमानंद श्रीवास्तव
6.	कहानी : नयी कहानी	– नामवर सिंह
7.	कहानी : अनुभव और शिल्प	– जैनेन्द्र कुमार
8.	कहानी : स्वरूप और संवेदना	– राजेन्द्र यादव
9.	समकालीन हिन्दी नाटककार	– गिरीश रस्तोगी
10.	समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना	– गिरीश रस्तोगी
11.	हिन्दी की प्रगतिशील आलोचना	– सं. श्याम कश्यप, कमला प्रसाद, खगेन्द्र ठाकुर
12.	नयी समीक्षा	– अमृतराय
13.	नयी समीक्षा : नये सन्दर्भ	– नगेन्द्र
14.	शिखरों का साक्षात्कार	– रामचंद्र तिवारी
15.	हिन्दी निबंध और निबंधकार	– ठाकुर प्रसाद सिंह
16.	हिन्दी निबंधकार	– जयनाथ नलिन
17.	समाचार पत्रों का इतिहास	– अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी
18.	हिन्दी साहित्यकोश भाग–1, तथा भाग–2	
19.	हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास	– रामचन्द्र तिवारी
20.	हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास	– दशरथ ओझा

204 402 **<u>आधुनिक काव्य : उत्तर छायावाद से समकालीन कविता तक</u>**

इकाई – 1

- उत्तर छायावादी दो प्रमुख धाराएँ
  - प्रणयमूलक वैयक्तिक काव्यधारा
  - राष्ट्रीय – सांस्कृतिक काव्यधारा
- उत्तर छायावादी प्रमुख कवि एवं कविताएँ
- व्याख्या प्रश्न हेतु
  - हरिवंशराय बच्चन – **इस पार प्रिये**
तीर पर कैसे रुकूँ
बौरे आमों पर
इसीलिए खड़ा रहा

इकाई – 2

- प्रगतिवादी काव्य की सामाजिक दृष्टि
- प्रगतिवादी काव्य की लोक चंतना
- केदारनाथ अग्रवाल की सौन्दर्यानुभूति
- केदारनाथ अग्रवाल का प्रकृति चित्रण
- व्याख्या हेतु –
  - केदारनाथ अग्रवाल – **जब–जब मैंने उसको देखा**
चंद गहना से लौटती बेर
आज नदि बिल्कुल उदास थी

इकाई – 3

– तारसप्तक और प्रयोगवाद
– बदलते मूल्य एवं संवेदनाओं का काव्य प्रयोगवाद
– नयी भाषा एवं शिल्प
– अज्ञेय की कविता – व्यक्ति से समाज की ओर
– अज्ञेय की काव्यभाषा
– व्याख्या हेतु
अज्ञेय – **असाध्यवीणा**
नदी के द्वीप

इकाई – 4

– नयी कविता आंदोलन और मुक्तिबोध
– मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया
यथार्थ और फैंटेसी
– मुक्तिबोध के काव्यानुभूति की बनावट
– मुक्तिबोध की लम्बी कतिवाएँ – जटिल यथार्थ की समग्र अभिव्यक्ति
– व्याख्या हेतु
मुक्तिबोध – **'अंधेरे में'**
'भूल गलती'

इकाई – 5

– असंतोष, अस्वीकृति और विद्रोह की कविता – समकालीन कविता
– प्रामाणिक अनुभूतियों की अभिव्यक्ति का काव्य–समकालीन कविता
– समकालीन कविता में राजनीतिक संदर्भ
– समकालीन कविता की काव्य भाषा

इकाई – 6

– रघुवीर सहाय की राजनीतिक चेतना
– रघुवीर सहाय की काव्य भाषा
– व्याख्या हेतु
रघुवीर सहाय – **अधिनायक**
रामदास

इकाई – 7

– धूमिल की कविताएँ – समकालीन जीवन यथार्थ का सीधा साक्षात्मकार
– व्याख्या हेतु
धूमिल – **पटकथा**

सहायक पुस्तकें –

1. बच्चन : अनुभूति और अभिव्यक्ति – इन्दुबाला श्रीवास्तव
2. हिन्दी कविता यात्रा : रत्नाकर से रघुवीर सहाय तक – रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी काव्य – संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. आत्मनेपद, सर्जना और संघर्ष – अज्ञेय
5. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
6. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
7. नयी कविता का आत्मसंघर्ष – मुक्तिबोध
8. नयी कविता – स्वरूप और समस्यायें – जगदीश गुप्त
9. आधुनिक हिन्दी काव्य : रूप और संरचना – निर्मला जैन
10. रघुवीर सहाय का कविकर्म – सुरेश शर्मा
11. समकालीन बोध और धूमिल काव्य – हुकुमचंद राजपाल
12. समकालीन कविता का व्याकरण – परमानंद श्रीवास्तव
13. साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि – राजेन्द्र कुमार

204 403 <u>भारतीय साहित्य</u>

इकाई – 1

– भारतीय साहित्य का स्वरूप
– भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई – 2

– भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
– भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता

इकाई – 3

– तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप एवं संभावनाएँ
– भारतीय एकता में तुलनात्मक साहित्य की भूमिका

इकाई – 4

– 'सेवासदन' (प्रेमचंद) एवं श्रीकांत (शरत्‌चंद) का तुलनात्मक अध्ययन
– प्रेमचंद एवं शरत्‌चंद्र के कथा–साहित्य का परिचय
– नारी–चेतना, युगीन संदर्भ, सामाजिक परिदृश्य
– उपन्यास–कला आदि के आधार पर तुलनात्मक विवेचन

इकाई – 5

– 'बीच का रास्ता नहीं होता' – पाश की कविताएँ
– मूल संवेदना, विद्रोह चेतना, व्यंग्य चेतना, राजनीतिक संदर्भ आदि के आधार पर आलोचना

इकाई – 6

– घासीराम कोतवाल – विजय तेंदुलकर
– विजय तेंदुलकर के नाट्य–साहित्य का परिचय,
– राजनीतिक अथवा ऐतिहासिक नाटक के रूप में 'घासीराम कोतवाल', लोक नाट्य के रूप में 'घासीराम कोतवाल', अभिनव रंगमंचकीयता, आज के संदर्भ में 'घासीराम कोतवाल', प्रमुख समस्याएँ।

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय साहित्यकोश खंड 1 से 4 : सं0 सुरेश गौतम
2. भारतीय साहित्य : सं0 मूलचंद गौतम
3. भारतीय साहित्य : राजेन्द्र मिश्र
4. भारतीय साहित्य : सं0 नगेन्द्र
5. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. मराठी साहित्य : एक परिदृश्य : चंद्रकांत बांदिवडेकर
7. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
8. प्रेमचंद : रामविलास शर्मा
9. प्रेमचंद के नारी पात्र : ओम अवस्थी
10. किसान, राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद : वीरभारत तलवार
11. साहित्य सिद्धांत : रेनेवेलेक

204 404 विशेष प्रश्न पत्र

<u>भक्तिकाल</u>

इकाई – 1

– भक्ति काव्य : स्वरूप और भेद
– भक्तिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
– भक्ति आंदोलन : पराजित मनोवृत्ति का परिणाम
– भक्ति आंदोलन : सांस्कृतिक एवं परम्परागत विकास
– भक्ति आदांलन : उद्भव व विकास
– भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
– भक्ति काव्य : लोकजागरण का काव्य

इकाई – 2

– भक्ति काल की धार्मिक पृष्ठभूमि
  वेद से बुद्ध तक
  बुद्ध से गुप्त युग तक
  आलवार, नायनार
  कुमारिल भट्ट, शंकराचार्य
  वैष्णवाचार्य
  सिद्ध, नाथ, जैन
– भक्तिकाव्य और लोकधर्म
– भक्तिकाव्य : सामाजिक–सांस्कृतिक प्रदेय
– भक्तिकाव्य और मानुष सत्य

इकाई – 3

- निर्गुण और सगुण भक्ति धाराओं का विकास
- निर्गुण और सगुण भक्ति : साम्य और वैषम्य
- निर्गुण और सगुण भक्ति का स्वरूप
- कबीर और तुलसी के राम

इकाई – 4

- कबीर की प्रगतिशील चेतना
- कबीर का समाज दर्शन
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर : कवि के रूप में
- कबीर की भाषा
- भक्त कवि कबीर
- कबीर की प्रासंगिकता

इकाई – 5

- भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य और उनकी परम्परा
- जायसी की प्रेम भावना
- जायसी की सौन्दर्यानुभूति
- पद्मावत में लोक तत्त्व
- पद्मावत में वर्णित प्रकृति
- पद्मावत में रूपक
- जायसी की काव्य भाषा

इकाई – **6**

- शुद्धाद्वैत दर्शन एवं पुष्टिमार्गीय भक्ति
- कृष्णकाव्य परम्परा और अष्टछाप
- सूरदास की भक्ति
- सूरदास का वात्सल्य वर्णन
- सूरदास का श्रृंगार वर्णन
- सूरदास का प्रकृति चित्रण
- सूरसागर में लोकतत्त्व
- भ्रमरगीतसार : निर्गुण पर सगुण की विजय
- भ्रमरगीत सार में गोपियों की वाग्विदग्धता एवं उक्तिवैचित्र्य

इकाई – 7

- रामभक्ति काव्य और उनकी परम्परा
- तुलसीदास और उनकी रचनाएँ
- भक्त कवि तुलसीदास
- तुलसी काव्य में लोकमंगल
- तुलसी की समन्वय साधना
- तत्कालीन परिवेश के संदर्भ में तुलसी काव्य

– तुलसीदास की प्रगतिशील चेतना
– तुलसी की काव्य भाषा

सहायक पुस्तकें –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. त्रिवेणी – रामचंद्र
3. भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र – प्रेमशंकर
4. भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र – प्रेमशंकर
5. भक्तिकाव्य और लोकजीवन – शिवकुमार मिश्र
6. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य – शिवकुमार मिश्र
7. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर मीमांसा – रामचंद्र तिवारी
9. जायसी – विजयदेवनारायण साही
10. सूरदास – ब्रजेश्वर शर्मा
11. तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
12. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास – रामविलास शर्मा
13. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह
14. अकथ कहानी प्रेम : कबीर की कविता और उनका समय – पुरुषोत्तम अग्रवाल
15. उत्तर भारत की संत परंपरा – परशुराम चतुर्वेदी